



छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)



वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष 2009-10

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)



छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)



वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2009-10

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	निगमन का प्रमाण पत्र	01
2.	कारोबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण पत्र	02
3.	निगम की योजनाएं	3—5
4.	निगम की पद संरचना	06
5.	वार्षिक प्रतिवेदन	7—9
6.	महालेखाकार की टिप्पणी	10—14



प्राकृत्य आई. आर.
FORM I.R.

निगमन का प्रमाण पत्र

Certificate of Incorporation

No. U 85320 CT 2004 NPL 16765

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त जन पित्त

आवाम विकास निगम

कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित की गई है और कम्पनी परिसीमित है।


I hereby certify that CHHATTISGARH NISHAKAT JAN VITT AVAM
VIKAS NIGAM

is this day incorporated under the Companies Act, 1956
(No. 1 of 1956) and that the Company is limited by shares.

मेरे हस्ताक्षर से आज तारीख अठ्ठाईस अगष्ट शक उन्नीस सौ छब्बीस
को दिया गया।

Given under my hand at GWALIOR this NINETEENTH
day of JULY Two Thousand FOUR




(DR. RAJ SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies

Madhya Pradesh & Chhattisgarh
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़



सत्यमेव जयते

कारबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण-पत्र

Certificate for Commencement of Business

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 149 (3) के अनुसरण में
Pursuant of Section 149 (3) of the Companies Act. 1956

ता... का सं...
No. 10-16765 of 2004

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि कुत्तीसगढ़ निःशक्त-जन वित्त एवम्

विकास निगम

जो कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन तारीख 19.7.2004 को निगमित की गई थी और जिसने आज विहित प्रारूप में सम्यक् रूप से सत्यापित घोषणा फाइल कर दी है कि उक्त अधिनियम की धारा 149 (1) (क) से लेकर (घ) तक/149 (2) (क) से लेकर (ग) तक की शर्तों का अनुपालन किया गया है, कारबार प्रारम्भ करने की हकदार है।

I hereby certify that the CHHATTISGARH NISHAKAT-JAN VITT AVAM
VIKAS NIGAM.

which was incorporated under the Companies Act, 1956 on the 19th
day of JULY, 2004. and which has this day filed
a duly verified declaration in this prescribed form that the conditions of section 149 (1)
(a) to (d)/149 (2) (a) to (c) of the said Act, have been complied with is entitled to
commence business.

मेरे हस्ताक्षर से यह तारीख 21-6-2005 को ग्वालियर
में दिया गया। GWALIOR

Give under my hand at
this TWENTY FIRST day of JUNE
and TWO THOUSAND FIVE.



(DR. RAU SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies

मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

छत्तीसगढ़ राज्य में शासन द्वारा रुपये 5 करोड़ की अंशपूजी से कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अन्तर्गत लाभ न कमाने वाली कम्पनी के रूप में दिनांक 20 मई 2004 को स्थापित की गई है। यह पूर्णतः छत्तीसगढ़ शासन के स्वामित्व में है। कम्पनी के प्रबंधन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नामित निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। इसे समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत स्थापित किया गया है। छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन की चैनेलाईजिंग एजेन्सी दिनांक 06.09.2004 को घोषित किया गया हैं राज्य में दिव्यांगजनों को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड कार्पोरेशन के शर्तों के अधीन ऋण स्वीकृत किया जा रहा है।

- दिव्यांगजनों के लाभ हेतु आर्थिक विकास के क्रियाकलापों एवं स्वरोजगार उद्यमों को बढ़ावा देना।
- दिव्यांगजनों को स्वरोजगार उद्यमों के उचित एवं दक्ष प्रबंधन के लिए उनके उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋण देना।
- दिव्यांगजनों को व्यावसायिक पुनर्वास/स्वरोजगार के योग्य बनाने वाली व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऋण देना।
- स्वरोजगार में लगे दिव्यांगजनों को उनके द्वारा तैयार माल के विपणन के लिए सहयोग प्रदान करना।

निगम की योजनाएं :-

निगम द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को आय प्रदान करने वाली व्यापक गतिविधियों में सहायता दी जाती है, जो इस प्रकार है :-

- **सेवा/व्यापार क्षेत्र में लघु व्यवसाय लगाने के लिए :-**
बिक्री व्यापार क्रियाकलापों के लिए 5 लाख रुपए तक एवं सेवा क्षेत्र के क्रियाकलापों के लिए 10 लाख रुपए तक ऋण दिया जाता है।
- **कृषि क्रियाकलापों के लिए :-**
10 लाख रुपए तक ऋण दिव्यांग व्यक्तियों को कृषि उत्पादन, सिंचाई, बागवानी, रेशम उत्पादन, कृषि कार्य सेवा, कृषि उत्पादन के विपणन आदि के लिए कृषि मशीनरी/उपकरण की खरीद के लिए ऋण सहायता दी जाती है।
- **वाहन क्रय करने के लिए :-**
10 लाख रुपए तक ऋण वाणिज्यिक किराये पर देने के उद्देश्य से ऑटो रिक्शा सहित किसी भी वाहन खरीद पर।
- **मानसिक मंदता, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचार भ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए — 10 लाख रुपए तक ऋण।**
मानसिक मंद, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचारभ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों की तरफ से उनके माता-पिता, पति/पत्नी अथवा उनके कानूनी अभिभावक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

- **निपुणता एवं उद्यमी विकास कार्यक्रम के लिए :—**
व्यक्तियों को कुशल बनाने और उद्यमी विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चैनेलाईजिंग एजेंसियों को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है।
- **लघु आद्यौगिक इकाई स्थापित करने के लिए :—**
25 लाख रुपये तक ऋण दिव्यांगजनों को निर्माण, बढ़ई एवं उत्पादन के लिए सहायता दी जाती है।
- **सूक्ष्म वित्तीय योजना :—**
5 लाख रुपये तक का ऋण अशासकीय संस्था को 25,000 /— रुपये तक प्रति निःशक्त व्यक्ति हेतु दिया जाता है।
- **शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण :—**
इस निगम द्वारा 10 लाख रुपये तक भारत में शिक्षा हेतु एवं 20 लाख रुपये तक विदेश में शिक्षा हेतु ऋण दिया जाता है! ऋण का भुगतान प्रशिक्षण समाप्त होने के 6 माह अथवा नौकरी मिलने पर जो भी पहले होगा।
- **मानसिक मंद दिव्यांगजनों के माता—पिता द्वारा संचालित एसोसिएशन हेतु :—**
उक्त योजना अन्तर्गत 5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

पात्रता :—

1. 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्त हो।
2. आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो।

वार्षिक आय :—

1. शहरी क्षेत्र में 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम हो।
2. ग्रामीण क्षेत्र में 3 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम हो।
3. संबंधित शैक्षिक/तकनीकी/व्यवसायिक योग्यता और अनुभव।

ब्याज दर :—

1. 50 हजार रुपये तक — 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष
2. 50 हजार रुपये से अधिक और 5 लाख रुपये तक — 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष
3. 5 लाख रुपये से अधिक (शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण) — 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष
4. सभी ऋण 10 वर्ष के भीतर जमा किए जाएंगे।
5. दिव्यांग महिलाओं के लिए 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज पर छूट।
6. दृष्टि बाधित/श्रवण बाधित/मानसिक मंद दिव्यांग हितग्राहियों को 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट।

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2009 - 10 में दिव्यांगजनों को स्वीकृत ऋण प्रकरणों की जिलावार स्वीकृत प्रकरणों की संख्या एवं स्वीकृत राशि

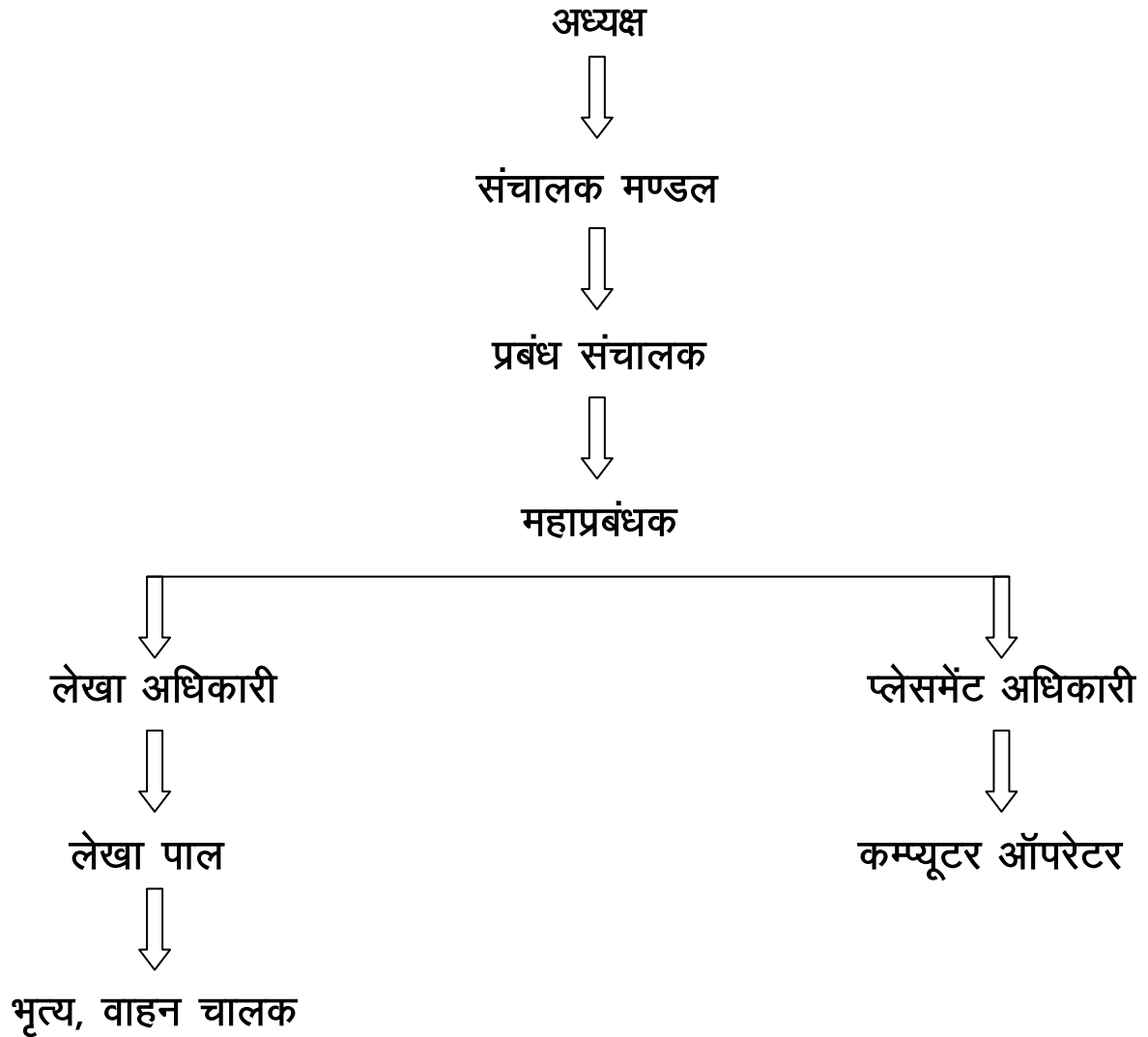
क्र.	जिला	वर्ष 2009-10	
		प्रकरण	राशि (लाख में)
1	रायपुर	11	14.37
2	महासमुंद	4	3.5
3	धमतरी	5	3.85
4	दुर्ग	17	11.04
5	राजनांदगांव	11	11.11
6	कबीरधाम	10	6.16
7	कांकेर	3	2.76
8	बिलासपुर	2	1.45
9	कोरबा	3	2.00
10	रायगढ़	4	4.20
11	जशपुर	7	6.97
12	सरगुजा	5	4.70
13	कोरिया	1	1.35
14	नारायणपुर	1	0.95
	योग	84	74.26

वसूली की स्थिति 2004-05 से 2009-10 तक

2004-05 से 2009-10 तक	कुल हितग्राही	वितरित ऋण राशि (लाख में)	कुल वसूल की गई राशि (लाख में)	वसूली हेतु शेष राशि (लाख में)
	579	557.45	236.48	379.33

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

निगम की पद संरचना



**CHHATTISGARH NISHAKT-JAN
VITT AVAM VIKAS NIGAM**

ANNUAL REPORT

2009 - 10

CHHAT TISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)

BALANCE SHEET AS ON 31.03.2009

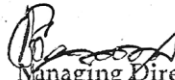
PARTICULARS	SCHEDULES NO.	AS ON 31.03.2009 (In ₹)	AS ON 31.03.2008 (In ₹)
I SOURCES OF FUNDS			
A) Shareholder Funds			
Share Capital	1	50,000,000	8,000
Share Application Money (Pending Allotment)		8,000	50,000,000
Reserve & Surplus	2	39,156,328	28,737,677
B) Loan Fund			
Secured Loans		-	-
Unsecured Loans		46,117,876	21,855,906
(From NHFL C, Farirabad)			
Total:		135,282,204	100,601,583
II Application of Funds			
A) Fixed Assets	3		
Gross Block		1,205,922	969,560
Less: Depreciation		517,382	316,007
Net Block		688,540	653,553
B) Investments		-	-
C) Current Assets, Loans and Advances			
Cash & Bank Balances	4	104,689,052	82,452,259
Loans & Advances	5	31,768,360	19,283,241
		136,457,412	101,735,500
Less:			
Current Liabilities and Provisions			
(a) Liabilities	6	1,863,748	1,787,470
(b) Provisions		-	-
Net Current Assets		134,593,664	99,948,030
Miscellaneous Expenditure		-	-
(To the extent not written off or adjusted)			
Total:		135,282,204	100,601,583

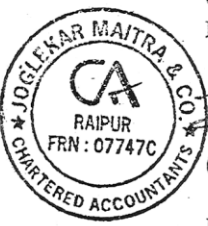
Accounting Policies and notes on Account

8

For and on behalf of the Board of Directors

AS PER OUR REPORT ON EVEN DATE


 Managing Director
 अध्यक्ष सचालक,
 उ. व. नि. वि. बि. नि.
 29-01-2013
 Chairman
 उ. व. नि. वि. बि. नि.
 Place: Raipur
 Date : 29 JAN 2013

For, JOGLEKAR MAITRA & CO.
 CHARTERED ACCOUNTANTS
 FRN 07747C

 (T.K. MISHRA)
 PARTNER
 M.No. : 403735

CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2009

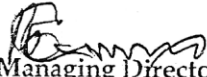
PARTICULARS	SCHEDULES NO.	For the year ended on 31.03.2009 (In ₹)	For the year ended on 31.03.2008 (In ₹)
<u>INCOME</u>			
Grant for Seminar Expenses form NHFDC		-	50,000
Interest Received from Bank		6,351,657	5,569,487
Interest Received on Loan		2,173,490	778,809
Establishment Grant Received		4,700,000	-
Total (A)		13,225,147	6,398,296
<u>EXPENDITURE</u>			
Seminar Expenses		128,721	9,492
Administration Exp. & Paymnet to Employee	7	1,636,666	-
Interest Paid to NHFDC		839,734	369,695
Depreciation		201,375	91,659
Total (B)		2,806,496	470,846
Surplus:			
Excess of Income Over Expenditure (A - B)		10,418,651	5,927,450
Less : Provision for Income Tax		-	-
Net Surplus after Tax		10,418,651	5,927,450
Surplus transferred to General Reserve		10,418,651	5,927,450

Accounting Policies and notes on Account


8

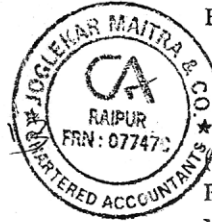
For and on behalf of the Board of Directors

AS PER OUR REPORT ON EVEN DATE


Managing Director
प्रबंध संचालक,
छ. ग. नि. वि. नि.

For, JOGLEKAR MAITRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN 07747C


Chairman
29-01-
Place : Raipur
Date : 29-01-2013
छ. ग. नि. वि. नि.



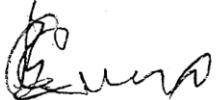
(T.K. Mishra)
PARTNER
M.No. : 403735

29 JAN 2013

CHHAT TISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)

**SCHEDULE "1" TO "7" ANNEXED TO AND FORMING PART OF THE STATEMENT OF
ACCOUNTS AS AT AND FOR THE YEAR ENDING ON 31.03.2009**

PARTICULARS	AS ON 31.03.2009 (Rs ₹)	AS ON 31.03.2008 (Rs ₹)
<u>SCHEDULE NO.1: SHARE CAPITAL</u>		
<u>AUTHORISED</u>		
500000 Equity Shares of Rs. 100/- each	50,000,000	50,000,000
Total	50,000,000	50,000,000
<u>ISSUED, SUBSCRIBED AND PAID-UP</u>		
500000 Equity Shares (P.Y.80) of Rs. 100/- each fully Paid - up	50,000,000	8,000
Total	50,000,000	8,000
<u>SCHEDULE NO.2: RESERVE & SURPLUS</u>		
<u>CAPITAL RESERVE</u>		
Grant Received for Establishment Expenses	19,146,115	
Less: Transfer to General Reserve	19,146,115	19,146,115
(Refer Point No. 8 of Schedule no. 8 of Significant Accounting Policy)		
<u>General Reserve</u>		
Opening Balance	9,591,562	
Add: Surplus during the year transfer from income & Expenditure Account	10,418,651	
Add: (Refer Point No. 8 of Schedule no. 8 of Significant Accounting Policy)	19,146,115	9,591,562
Total	39,156,328	9,591,562
Total	39,156,328	28,737,677
<u>SCHEDULES NO. 3: CASH & BANK BALANCES</u>		
Cash in Hand	170,267	179,927
<u>Balance with Scheduled Banks</u>		
a) <u>In Saving Bank Account:</u>		
i) Head Office	13855663	
ii) District Office	3580014	7,263,881
b) <u>In Fixed Deposit Account with:</u>		
State Bank of India	72832788	
Bank of Baroda	3110012	
Accrued Interest on FDR	11140308	75,008,451
Total	104,689,052	82,452,259


 बबलु सहायक,
 ज. ग. नि. वि. बि. नि.





भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) छत्तीसगढ़, रायपुर
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur.

दिनांक :

Date : 18/08/2015

To,

The Managing Director,
Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam,
Old DRDA Building, Collectorate Campus, Raipur 492 001

Sub: Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2010.

Sir,

I am to forward herewith the Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2010. Six copies of printed annual accounts incorporating the comments of the Comptroller and Auditor General of India may be forwarded to this office after placing the same before the Annual General Meeting along with a copy of the minutes of the AGM.

Encl: As above

Yours faithfully,


Deputy Accountant General
(ES & RS)

पोस्ट - मांदर, जीरो पॉइन्ट, रायपुर - 493 111 (छत्तीसगढ़)

Post - Mandhar, Zero Point, Raipur - 493 111 (Chhattisgarh)

फोन/Phone : 2582082, फैक्स/Fax : 2582505, ईमेल/E-mail : agauchhattisgarh@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM, RAIPUR FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2010

The preparation of Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam for the year ended 31 March 2010 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the Company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 are responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Auditing and Assurance Standards prescribed by their professional body, viz the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 25 April 2014.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3) (b) of the Companies Act, 1956 of the Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2010. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditor and Company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matters under Section 619(4) of the Companies Act, 1956 which have come to my attention and which in my view are necessary for enabling a better understanding of the Financial Statements and the related Audit Report.

A. Comments on Profitability

Income & Expenditure Account

Interest Received from Bank – ₹ 73.16 lakh

1. The actual interest accrued as 31.03.2010 was ₹ 29 lakh on FD No. 63043366036 and ₹ 2.15 lakh on FD No. 63049064313 instead of ₹ 25 lakh and ₹ 1.76 lakh respectively as shown in accounts. Due to non accountal of correct figure on interest accrued has resulted in understatement of interest receivable and bank Cash and Bank balance by ₹ 4.40 lakh {(₹ 29 lakh – ₹ 25 lakh)+ (₹ 2.16 lakh + ₹ 1.76 lakh)}

B. Comments on Financial Position

Balance Sheet

II Application of Funds

C) Current Assets, Loans and Advances

Loans & Advances (Schedule – 6)

Loans to Beneficiaries (Unsecured) – ₹ 483.66 lakh

2. The Chhattisgarh Nishat Jan Vitt Avam Vikas Nigam (Company) grants loan to beneficiaries with the security of land papers or any other of type of security as produced by beneficiaries and the Company made a notaries agreement with beneficiary as well as Guarantor of loan for securing its loan amount. Thus, the above amount was secured by land documents and other security as given by beneficiary from time to time and should be shown as Secured Loan amounting to ₹ 483.66 lakh to beneficiaries in place of unsecured loan.

Loans & Advances (Schedule-6) – ₹ 486.81 lakh

3. A reference is invited to notes on accounts sl. No. II (1) wherein it is mentioned that a sum of ₹ 1.89 lakh has been paid in Durg district. However, details of payee and nature thereof has not been explained by the management. The amount of ₹ 1.89 lakh was received from state Government towards implementation of Nirashrit Nidhi Scheme. As this amount is not related to the Company and not utilised this has to be returned to State Government. Hence, this should be treated as liability. This has resulted in understatement of Current Liabilities and Provisions and overstatement of Loans and Advances by ₹ 1.89 lakh.

Current Liabilities and Provisions (Schedule – 7) – ₹ 47.85 lakh

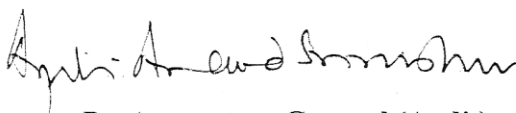
4. As per Lending Policy and Guidelines for funding of National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC), Faridabad the project cost of NHFDC Scheme is allocated among NHFDC, SCA (State Channelising Agency i.e. CNJVVN) and Promoter in their prescribed share ratio. During the scrutiny of records it was noticed that the CNJVVN has sanctioned the loan amounting to ₹ 120.55 lakh to 159 beneficiaries during the year 2009-10. (NHFDC share ₹ 115.37 lakh, CNJVVN share ₹ 4.36 lakh and Promoter's share ₹ 0.82 lakh), however, the CNJVVN had not paid its share to beneficiaries during 2009-10. As the liability for the amount of ₹ 4.36 lakh had materialized during the year 2009-10, provision for the unpaid amount was to be made. However, the Company failed to do so. This has resulted in understatement of Current Liabilities & Provision and corresponding understatement of Loan and Advances by ₹ 4.36 lakh.

For and on behalf of

the Comptroller and Auditor General of India

Place: Raipur

Date: 17.08.2015


Pr. Accountant General (Audit)

